



Gainer Academy

CLASS - 11TH

Psychology (मनोविज्ञान)

Chapter - 7

Human memory

मानव स्मृति



www.gaineracademy.in



Gainer Academy





Lesson - 7

मानव स्मृति

❁ स्मृति का स्वरूप : स्मृति किसी सूचना को एक समय तक धारित करने तथा उसका प्रत्याहान करना है। जो इस बात पर निर्भर करता है कि किस तरह का संज्ञानात्मक कार्य किया जाना है।

- स्मृति की अवस्थाएँ :
 - 1) कूट संकेतन
 - 2) भंडारण
 - 3) पुनरुद्धार ।

❁ सूचना प्रक्रमण आगम : अवस्था मॉडल

एटकिंसन एवं शिफिन्स ने 1968 में स्मृति का प्रथम मॉडल प्रस्तुत किया, जिसे अवस्था मॉडल के रूप में जाना जाता है।

❁ स्मृति तंत्र : संवेदी, अल्पकालिक एवं दीर्घकालिक स्मृति

- 1) संवेदी स्मृति : कोई भी नयी सूचना पहले संवेदी स्मृति में आती है। संवेदी स्मृति की संचयी क्षमता तो बहुत होती है, किंतु इसकी अवधि बहुत कम होती है, एक सेकण्ड से भी कम। यह एक ऐसा स्मृति तंत्र है जो प्रत्येक संवेदना को परिशुद्धता से ग्रहण करता है। अक्सर इस तंत्र को संवेदी स्मृति या संवेदी यांत्रिका कहते हैं।



Date.....2.....

2) अल्पकालिक स्मृति : जिन सूचनाओं पर हम ध्यान देते हैं वे हमारी द्वितीय स्मृति भंडार में प्रवेश करती हैं जिसे अल्पकालिक स्मृति कहा जाता है, जो घड़ी सूचना को घड़ी समय तक ही रख पाती है।

एटकिंसन एवं शिफ्रिन : अल्पकालिक स्मृति में सूचना का कूट संकेतन मुख्य रूप से ध्वन्यात्मक होता है।

• दीर्घकालिक स्मृति : स्मृति का ऐसा स्थायी भंडार है जहाँ सूचनाएँ, चाहे व कितनी भी नयी क्यों न हो, से लेकर कितनी ही पुरानी सभी संग्रहित होती हैं।

• चयनात्मक अवधान पहली नियंत्रण प्रक्रिया है जो यह सुनिश्चित करती है कि कौन-सी सूचना संवेदी ग्राहकों से अल्पकालिक स्मृति में प्रवेश करेगी।

• खंडीयन विधि : अल्पकालिक स्मृति की क्षमता को बढ़ाने के लिए एक और नियंत्रण प्रक्रिया, जो अल्पकालिक स्मृति में गतिशील होती है।

प्रक्रमण स्तर : कैक एवं लॉकहार्ट (1972)

• सूचना का कई स्तरों पर विश्लेषण संभव है। कोई भी इसके भौतिक या संरचनात्मक गुणों के आधार पर विश्लेषण कर सकता है।

• हम किसी सूचना को जिस तरह से संकेतित



करते हैं, हमारी स्मृति उसी का परिणाम होती है।
इस तथ्य का महत्व अधिगम की प्रक्रिया में सर्वाधिक है।

दीर्घकालिक स्मृति के प्रकार

- 1) धौषणात्मक : तथ्य, नाम, तिथि, मैदक अक्षर प्राणी है
- 2) प्रक्रियामूलक : किसी कार्य को पूरा करने के लिए कुछ कौशल की आवश्यकता होती है।
साइकिल चलाना, बॉस्केटबॉल खेलना, चाय बनाना।

* घटनापरक स्मृति : रॉलविंग →

जीवन चरित से संबंधित सूचनाएं होती हैं। हमारे निजी जीवन से संबंधित स्मृतियां घटनापरक स्मृति बनाती हैं।

आधी स्मृति : सामान्य ज्ञान एवं जागरूकता की स्मृति है सभी प्रकार के संप्रत्यय, विचार तथा तर्कसंगत, नियम आधी स्मृति में संचित होते हैं।

स्मृति में ज्ञान का संगठन एवं प्रतिनिधान :

दीर्घकालिक स्मृति में ज्ञान-प्रतिनिधान की सबसे महत्वपूर्ण इकाई संप्रत्यय हैं।

संप्रत्यय : उन वस्तुओं और घटनाओं के मानसिक संवर्ग हैं जो कई प्रकार से एक दूसरे के समान हैं।



Date..... 4

सन 1969 में एलन कोलिन्स एवं रॉस म्बुलियन ने एक ऐतिहासिक शोधपत्र प्रकाशित किया जिसमें उन्होंने बताया कि दीर्घकालिक स्मृति में सूचना श्रेणीबद्ध रूप से संगठित होती है तथा उसकी एक जालीदार संरचना होती है। इस संरचना के तत्वों को निष्पद बिंदु कहा जाता है।

❁ स्मृति एक रचनात्मक प्रक्रिया के रूप में :

बार्टलेट ने स्मृति को रचनात्मक प्रक्रिया माना है न कि पुनरुत्पादक प्रक्रिया।
अर्चिषूणी सामग्री यथा, कहानियाँ, गद्य, दंतकथाएँ इत्यादि का उपयोग करते हुए बार्टलेट ने यह समझने का प्रयास किया है कि किस प्रकार कोई विशिष्ट स्मृति व्यक्ति के ज्ञान, लक्ष्यों, अभिप्रेरण, बरीयता तथा अन्य मनोवैज्ञानिक प्रक्रियाओं से प्रभावित होती है।

❁ विस्मरण के स्वरूप एवं कारण ❁

(भूलना) हमनि संबिगाहास

• विस्मरण के मुख्य सिद्धांत :

1) चिह्न ह्रास के कारण विस्मरण →

स्मृति चिह्न : स्मृति के द्वीय तंत्रिका तंत्र में कुछ संशोधन करती है जो मस्तिष्क में होने वाले शारीरिक परिवर्तन है जिन्हें स्मृति चिह्न कहा जाता है।



2) अवरोध के कारण विस्मरण :

3) पुनरुद्धार असफलता के कारण विस्मरण :

❁ स्मृति वृद्धि ❁

स्मृति सुधार की बहुत सारी युक्तियाँ हैं जिन्हें स्मृति सहायक संकेत कहा जाता है ।

- इस प्रकार की स्मृति सुधार विधि में याद की जाने वाली सामग्री तथा इसके इर्द-गिर्द सुस्पष्ट प्रतिमाओं की रचना की जाती है ।

प्रमुख विधि : 1) मुख्य शब्द विधि
2) स्थान विधि ।

- संगठन के उपयोग से स्मृति - सहायक संकेत : संगठन का तात्पर्य याद की जाने वाली सामग्री में एक क्रम सुनिश्चित करना है ।

- 1) खंडीयन विधि
- 2) प्रथम अक्षर तकनीक ।

* आवश्यक रूप से करने योग्य बातें :

- 1) गहन स्तर का सक्रमण कीजिए :
- 2) अवरोध धराहरण :
- 3) पर्याप्त पुनरुद्धान संकेत रखिए :

About

WELCOME TO GAINER ACADEMY

I am Pankaj Verma Welcome to Our Study Verse Learn Anything, Anywhere, Anytime. Improve your skills with our Tutorials. Unlock your potential and achieve success with us and Unleash your inner genius with our expert guidance.

We are offering a wide range of educational programs for all age groups and all standard. We have dedicated teachers for helping students to reach their full potential and also guide students of their journey to success.

we are also available on



www.gaineracademy.in



[GAINER ACADEMY](#)



gaineracademy@gmail.com



[gainer_academy](#)

